CLASS-IX QUARTERLY EXAMINATION, NOVEMBER - 2023

कक्षा-IX त्रैमासिक परीक्षा, नवम्बर - 2023

SOCIAL SCIENCE(Compulsory)

सामजिक विज्ञान (अनिवार्य)

(समय: 1 घंटा 30 मिनट)

[TIME- 1 Hour 30 Minutes]

विषय कोड/Sub.Code: 111

(पूर्णांक-50)

[Full Marks:50]

प्रश्न संख्या 1 से 10 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दें।

(1.) वर्साय की संधि का उद्देश्य क्या था ?

Ans- वर्साय की संधि के माध्यम से जर्मनी के उपनिवेशों में लगी समस्त जर्मन पूंजी को मित्र राष्ट्रों द्वारा ज़ब्त कर लिया गया था। इसके अलावा, जर्मनी को इस बात के लिए भी बाध्य किया गया था कि 'जर्मनी' फ्रांस, इटली और बेल्जियम को एक निश्चित मात्रा में कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

(3.) मतदान से आप क्या समझते हैं ?

Ans- मतदान निर्णय लेने या अपना विचार प्रकट करने की एक विधि है जिसके द्वारा कोई समूह विचार-विनिमय तथा बहस के बाद कोई निर्णय ले पाते हैं। मतदान की व्यवस्था के द्वारा किसी वर्ग या समाज का सदस्य राज्य की संसद या विधानसभा में अपना प्रतिनिधि चुनने या किसी अधिकारी के निर्वाचन में अपनी इच्छा या किसी प्रस्ताव पर अपना निर्णय प्रकट करता है।

(5.) गरीबी रेखा से आप क्या समझते हैं ?

Ans- गरीबी रेखा वह रेखा है जो उस प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय को प्रकट करती है जिसके द्वारा लोग अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को संतुष्ट कर सकते हैं।

(7.) जनगणना आप क्या समझते हैं ?

Ans- किसी देश अथवा किसी भी क्षेत्र में लोगों के बारे में विधिवत रूप से सूचना प्राप्त करना एवं उसे रिकॉर्ड करना करना जनगणना (census) कहलाती है।

(10.) परमाणु ऊर्जा क्या है ?

Ans- जब यूरेनियम पर न्यूट्रॉन की टक्कर होती है तो इससे यूरेनियम अस्थायी होकर दो हल्के तत्वों में टूट जाता है,साथ ही 2 या 3 न्यूट्रॉन व विकिरण के साथ अपर मात्रा में ऊर्जा निकलती है,जिसे परमाणु ऊर्जा कहते है।

प्रश्न संख्या 11 से 18 तक दीर्घ उत्तरीय हैं। किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें।

(11.) द्वितीय विश्वयुद्ध के क्या कारण थे ? विस्तारपूर्वक लिखें।

Ans- इतिहासकारों का मानना है कि हिटलर पोलैंड पर अधिकार कर प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी की पराजय का बदला लेना चाहता था। साथ ही पोलैंड और सोवियत संघ पर अधिकार कर वह साम्यवाद के प्रसार को रोकना चाहता था। इसलिए हिटलर की नीतियां ही मुख्य रूप से द्वितीय विश्वयुद्ध के लिए उत्तरदाई बनी।

(14.) लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर–लोकतंत्र की कतिपय विशेषताएँ होती हैं, जिनमें निम्नलिखित प्रमुख है–

(i) जनता का प्रतिनिधि शासक–लोकतंत्र में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि ही शासन-संचालन का कार्य करते हैं। शासन-सम्बन्धी निर्णय लेने की शक्ति जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के पास होती है। इस तरह की शक्ति केवल लोकतंत्र में ही संभव है, तानाशाही एवं राजशाही वाली शासन-व्यवस्था में नहीं।

(ii) निष्पक्ष एवं स्वतंत्र निर्वाचन–लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था में निर्वाचन निष्पक्ष एवं स्वतंत्र होते हैं। इस व्यवस्था में जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव स्वतंत्रता पूर्वक करती है। चीन में भी चुनाव होते है। लेकिन वहाँ के चुनाव को लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता।

(ii) विधि का शासन–लोकतंत्र में शासन कानून के अनुसार चलता है। इसमें लोगों के अधिकारों की गारंटी होती है एवं सरकार संवैधानिक कानूनों के अनुसार ही काम करती है। इस प्रकार, लोकतंत्र में संविधान के अनुसार देश का शासन चलता है, किसी व्यक्ति की इच्छा से नहीं।

(iii) समान मताधिकार–लोकतंत्र में सभी वयस्क नागरिकों को मत देने का अधिकार होता है और सबके मत का महत्त्व समान होता है, लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

(16.) भारत में अपनाए गए गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—भारत में गरीबी उन्मूलन के लिए कई कार्यक्रम अपनाए गए हैं, जिनमें निम्नलिखित प्रमुख है :—

(i) काम के बदले अनाज कार्यक्रम—यह कार्यक्रम उन सभी ग्रामीण गरीबों के लिए है, जिन्हें मजदूरी पर रोजगार की आवश्यकता है। इस मद में केन्द्रीय सरकार द्वारा निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है।

(ii) राज्य रोजगार गारंटी कोष—इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अगर आवेदक को 15 दिनों के अन्दर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया, तो उसे बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

(iii) जवाहर रोजगार योजना—इस योजना के अन्तर्गत सीमान्त किसान, कृषि श्रमिक आदि को उनके बेकार समय में पूरक रोजगार देने की व्यवस्था की गयी। इसके माध्यम से भूमिहीन परिवार के कम-से-कम एक सदस्य को 100 दिन का रोजगार मुहैया कराने की बात कही गयी।

(iv) प्रधानमंत्री रोजगार योजना—1993-94 में यह योजना शहरी क्षेत्र में बेरोजगार शिक्षित युवकों को स्वरोजगार मुहैया कराने के लिए प्रारम्भ की गयी थी। 1994-95 में इस योजना को ग्रामीण क्षेत्र के लिए विस्तारित किया गया।

(18.) भारत की जनसंख्या वृद्धि की विशेषताओं को बतायें।

उत्तर—भारत की जनसंख्या वृद्धि की विशेषताओं पर गौर करने पर यह स्पष्ट होता है कि वर्ष-प्रतिवर्ष भारत की जनसंख्या वृद्धि की ओर अग्रसर रही है। 1951 ई० से 1981 ई० तक जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि नियमित रूप से बढ़ रही थी। जहाँ 1951 ई० में जनसंख्या 361 लाख थी, वहीं 1981 में भारत की जनसंख्या 68 करोड़ से ऊपर पहुँच गयी। जनसंख्या वृद्धि की दर 1951 ई० में 1.25%, 1961 में 1.96%, 1971 ई० तक 2.20% तथा 1981 ई० तक 2.22% थी। लेकिन सरकार के प्रयास से जनसंख्या की वृद्धि दर में कमी आयी। सन् 1981 में वृद्धि दर घटकर 1991 ई० में 2.14% तथा 2001 ई० में 1.93% पर आ गयी।

जनसंख्या में वृद्धि दर घटने के बावजूद भी जनसंख्या में वृद्धि जारी रही। जो संख्या 1981 ई० में 68 करोड़ के लगभग थी, वह 1991 ई० में बढ़कर 84 करोड़ तथा 2001 ई० में 103 करोड़ के लगभग हो गयी। इस प्रकार 2011 ई० की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या बढ़कर 121 करोड़ से ऊपर पहुँच गयी। अतः, कहा जा सकता है कि भारत की जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि जारी है।